Roll No. .....

DD–2154

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2020

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) गुरुजी ऐसा तो संसार भर में कोई देश नहीं है। दो पैसा पास रहने ही में मजे से पेट भरता है। मैं तो इस नगर को छोड़कर नहीं जाऊँगा और जगह दिन भर माँगो तो भी पेट नहीं भरता है। वरंच बाजे दिन उपास करना पड़ता है। सो मैं तो यहाँ रहूँगा।

अथवा

कोकिल वायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इंद्रायन दाड़िम विषम, जहाँ न नेकु विवेकु
बसिये ऐसे देश नहिं, कनक वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुःख पाइये, प्रान दीजिए रोय

(ख) संसार किसी को इतना समय ऐसे छोटे-छोटे कामों के लिए नहीं दे सकता। भयभीत होकर प्राणी अपनी रक्षा कभी-कभी कर लेता है, पर समाज में इस प्रकार प्राप्त दुःख निवृत्ति चिरस्थायिनी नहीं होती। हमारे कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि क्रोध के समय क्रोध करने वाले के मन में सदा भावी कष्ट से बचने का उद्देश्य रहा करता है। कहने का तात्पर्य केवल इतना ही है कि चेतना सृष्टि के भीतर का विधान इसीलिए है।

अथवा

इधर देखता हूँ कि पेड़-पौधे और भी बुरे हैं। सारी दुनिया में हल्ला हो गया है कि बसन्त आ गया। पर इन कमबख्तों को खबर ही नहीं। कभी-कभी सोचता हूँ कि इनके पास तक संदेश पहुँचाने का क्या कोई साधन नहीं हो सकता। महुआ बदनाम है कि उसे सबके बाद बसन्त का अनुभव होता है; पर जामुन कौन अच्छा है। वह तो और भी बाद में फूलता है और कालिदास का लाड़ला यह कर्मिकार ? आप जेठ में मौज में आते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बसन्त भागता-भागता चलता है।

(ग) "राजनाथ—यह तुमने कहा, जिसने इससे अच्छे दिन कभी देखे नहीं। पर मैं जो सब देख चुका हूँ, कभी नहीं कहता कि मेरे दिन बुरे हैं। जिस युग की हम उपज थे, जब वह चला गया तो उसकी उपज कब तक टिकती ? राज्य मिट जाते हैं। बड़े-से-बड़े वीर और ज्ञानी किसी दिन मरते हैं, पर उनकी लौ जलती रहती है। व्यक्ति और मनुष्यता का मान वह लौ है। तुमने अपने बुरे दिन की बात कही और वह दया से पिघल उठा। जहाँ किसी भी रूप में दया की माँग है, वहाँ व्यक्ति मर जाता है, जीता नहीं।

अथवा

मेरे बच्चे कितने भी गन्दे, बत्तमीज, लड़ाकू हों, मुझे मंजूर है; लेकिन ये चोरी करें, झूठ बोलें, मैं इन्हें जिन्दा नहीं रहने दूँगा। मार के मर जाऊँगा इन्हीं के संग। (रुककर) मुन्शी जी मुझे पता है झूठ-चोरी के कीड़े कहाँ मिले हैं मेरे बच्चों को।

2. 'अंधेर नगरी' नाटक की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

"आचार्य रामचन्द्र शुक्लजी का क्रोध निबन्ध मनोवैज्ञानिक होने के स्थान पर व्यावहारिक अधिक है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

बाबू गुलाबराय का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

3. औरंगजेब की 'आखिरी रात' एकांकी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। 12

अथवा

'एक दिन' एकांकी की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'दस हजार' एकांकी के पात्र विसाखाराम के चरित्र का वर्णन कीजिए।

4. निम्नांकित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए (कोई **तीन**) : 15

(i) हिन्दी नाटक के उद्‌भव पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ii) राहुल सांकृत्यायन की साहित्यिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iii) महादेवी वर्मा की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iv) हबीब तनवीर का जीवन परिचय।

(v) 'एक दिन' एकांकी के आधार पर शीला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(vi) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध शैली को संक्षेप में लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(i) 'अंधेर नगरी' किस प्रकार की रचना है ?

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्लजी के प्रमुख निबन्ध संग्रह का नाम क्या है ?

(iii) हिन्दी एकांकी का प्रारम्भ कब से माना जाता है ?

(iv) 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं ?

(v) भुनेश्वर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(vi) 'एक दिन' एकांकी का मुख्य पात्र कौन है ?

(vii) 'दस हजार' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(viii) 'मम्मी ठकुराइन' किस प्रकार की एकांकी है ?

(ix) 'अशोक के फूल' किसकी रचना है ?

(x) 'काव्येषु नाटक रम्यम्' के रचनाकार कौन हैं ?

(xi) विद्यानिवास मिश्र द्वारा रचित 'उस अमराई ने राम-राम कहा है' किस प्रकार का निबन्ध है ?

(xii) 'वैष्णव की फिसलन' किसकी रचना है ?

(xiii) 'नीहार' के रचयिता का नाम लिखिए।

(xiv) हबीब तनवीर द्वारा रचित चर्चित नाटक का नाम लिखिए।

(xv) राहुल सांकृत्यायन का पैदाइशी नाम क्या था ?